



मेरा गाँव, मेरी धरोहर कार्यक्रम

प्रलम्ब के लिये:

[मेरा गाँव मेरी धरोहर कार्यक्रम](#), [राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन \(National Mission on Cultural Mapping - NMCM\)](#), कला और सांस्कृतिक को बढ़ावा देने के लिये वित्तीय सहायता की योजना, [राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव](#)

मेन्स के लिये:

भारत की सांस्कृतिक वरिष्ठता को बढ़ावा देने में सरकारी नीतियाँ, मेरा गाँव मेरा धरोहर का महत्त्व, सांस्कृतिक मानचित्रण पर राष्ट्रीय मिशन।

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार ने [मेरा गाँव मेरी धरोहर \(Mera Gaon, Meri Dharohar - MGMD\) कार्यक्रम](#) के तहत सभी गाँवों का मानचित्रण और दस्तावेज़ीकरण करने का निर्णय लिया है।

- इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय गाँवों के जीवन, इतिहास और लोकाचार की वसितृत जानकारी संकलित करना तथा इसे आभासी तथा वास्तविक समय के आगंतुकों (visitors) के लिये उपलब्ध कराना है।
- [सांस्कृतिक मंत्रालय कला और सांस्कृतिक को बढ़ावा देने के लिये वित्तीय सहायता की एक योजना भी लागू](#) कर रहा है जिसमें 8 घटक शामिल हैं जिसके माध्यम से [सांस्कृतिक संगठनों को कला तथा सांस्कृतिक को बढ़ावा देने के लिये वित्तीय सहायता दी जाती है।](#)

मेरा गाँव, मेरी धरोहर (MGMD) कार्यक्रम क्या है?

- सांस्कृतिक मानचित्रण पर यह राष्ट्रीय मिशन [सांस्कृतिक मंत्रालय](#) के तहत [इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र \(Indira Gandhi National Centre for the Arts -IGNCA\)](#) के समन्वय से संचालित किया जाता है।
 - MGMD पर एक वेब पोर्टल भी लॉन्च किया गया है। MGMD कार्यक्रम भारतीय गाँवों के जीवन, इतिहास तथा लोकाचार की वसितृत जानकारी संकलित करने एवं इसे आभासी व वास्तविक समय के आगंतुकों के लिये उपलब्ध कराने का प्रयास करता है।
- MGMD के तहत, सात व्यापक श्रेणियों के तहत जानकारी एकत्र की जाती है:
 - कला एवं शिल्प गाँव
 - पारम्परिकीय दृष्टि से उन्मुख गाँव
 - भारत की पाठ्य एवं शास्त्रीय परंपराओं से जुड़ा स्कोलास्टिक गाँव
 - रामायण, महाभारत और/या पौराणिक कथाओं तथा मौखिक महाकाव्यों से जुड़ा महाकाव्य गाँव
 - स्थानीय और राष्ट्रीय इतिहास से जुड़ा ऐतिहासिक गाँव
 - वास्तुकला वरिष्ठता गाँव
 - कोई अन्य विशेषता जैसे उजागर करने की आवश्यकता हो जैसे मछली पकड़ने वाला गाँव, बागवानी गाँव, चरवाहा गाँव आदि।
- MGMD [राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन \(National Mission on Cultural Mapping - NMCM\)](#) का एक घटक है, जिससे [आजादी का अमृत महोत्सव](#) के एक भाग के रूप में शुरू किया गया है।
- MGMD के तहत **6.5 लाख गाँवों का सांस्कृतिक मानचित्रण किया जा रहा है और 2 लाख से अधिक गाँवों का मानचित्रण पहले ही किया जा चुका है** तथा मिशन पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है जो [राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यस्थल](#) के रूप में कार्य करता है।

राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन (NMCM) क्या है?

- **परिचय:**
 - सांस्कृतिक मंत्रालय ने **भारत की समृद्ध सांस्कृतिक वरिष्ठता तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को पुनर्जीवित करने एवं ग्रामीण भारत को**

आत्मनरिभर बनाने में इसकी रचनात्मक क्षमता की पहचान करने व प्रलेखीकरण करने के लिये NMCM की स्थापना की।

○ सांस्कृतिक मानचित्रण तीन स्तरों पर कार्य करता है:

- कलाकारों की **राष्ट्रीय नरिदेशकारिँ** तथा सांस्कृतिक क्षेत्र से संबंधित लोग।
- कला अभवियकर्ता तथा कलाकार समुदायों/परंपरा के वाहकों की **राष्ट्रीय डजिटल सूची/रजस्रिटर** का नरिमाण।
- **कला प्रथाओं के संरक्षण के लिये नीतियाँ वकिसति करना** और साथ ही उनके अभ्यासकर्त्ताओं के लिये कल्याणकारी योजनाओं का कार्यान्वन करना।

■ **मशिन अधदिश:**

- व्यापक थल सरवेक्षणों तथा प्रलेखीकरण की सहायता से सांस्कृतिक मानचित्रण के माध्यम से एक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करना।
- भावी पीढ़ियों के लिये इस देश की समृद्ध सांस्कृतिक वरिसत को **संरक्षति, सुरक्षति, पुनरजीवति तथा प्रसारति** करना।
- डजिटल प्लेटफॉर्म तथा लोकसंपर्क गतविधियों का माध्यम से पूरे देश में एक सुदृढ़ **"सांस्कृतिक जीवंतता"** का परविश वकिसति करना।

कला और संस्कृतिको बढ़ावा देने हेतु वत्ततीय सहायता की योजना क्या है?

- यह एक **केंद्रीय क्षेत्र की योजना** है जिसका उद्देश्य देश में वभिन्न सांस्कृतिक गतविधियों तथा संगठनों का समर्थन करना है। इस योजना में **8 घटक** शामिल हैं तथा प्रत्येक का एक अलग उद्देश्य एवं वत्तितपोषण आवंटन है।
- कला और संस्कृतिको बढ़ावा देने हेतु वत्ततीय सहायता की योजना में नमिनलखति 8 घटक शामिल हैं:
 - **राष्ट्रीय उपस्थति वाले सांस्कृतिक संगठनों को वत्ततीय सहायता:**
 - कला और संस्कृतिके प्रचार-प्रसार के लिये **राष्ट्रीय उपस्थति वाले प्रतष्रिठति सांस्कृतिक संगठनों** को वत्ततीय सहायता प्रदान करना।
 - यह अनुदान ऐसे संगठनों को प्रदान कया जाता है जो **अखलि भारतीय गुणों के साथ भारत में पंजीकृत** उचति रूप से गठति प्रबंध नकियाय हैं तथा जनिके पास पर्याप्त कार्य बल है एवं सांस्कृतिक गतविधियों हेतु वगित 5 वर्षों में से कनिही 3 वर्षों के दौरान 1 करोड़ रुपए अथवा उससे अधिक की राशा का व्यय करने का ट्रैक रकिँरड है।
 - **अधिकतम अनुदान:** 1 करोड़ रुपए।
 - **कलचरल फंक्शन एंड प्रोडक्शन ग्रांट (CFPG):**
 - इसके तहत सेमिनारों, सम्मेलनों, अनुसंधान, कार्यशालाओं, त्योहारों, प्रदर्शनयियों तथा प्रस्तुतयियों सहति वभिन्न सांस्कृतिक गतविधियों के लिये वत्ततीय सहायता प्रदान की जाती है।
 - **अधिकतम अनुदान:** 5 लाख से लेकर 20 लाख (वशिष्रिठ परिस्थितियों में) तक का अनुदान।
 - **हमिलय की सांस्कृतिक वरिसत के संरक्षण एवं संवरद्धन के लिये वत्ततीय सहायता:**
 - अनुसंधान, प्रशक्तिषण और प्रसार के माध्यम से **हमिलय की सांस्कृतिक वरिसत** को बढ़ावा देना तथा उन्हें संरक्षति करना।
 - **वत्ततीयन:** इस दिशा में कार्य करने वाले संगठन को प्रतविर्ष 10 लाख रुपए से लेकर 30 लाख (वशिष्रिठ परिस्थितियों में) तक की वत्ततीय सहायता प्रदान की जाएगी।
 - **बौद्ध/तबिबती संगठन के संरक्षण एवं वकिस के लिये वत्ततीय सहायता:**
 - इस योजना के तहत बौद्ध/तबिबती सांस्कृतिक और परंपरा के प्रचार-प्रसार तथा वैज्ञानिक वकिस एवं संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान में लगे मठों सहति **सवैचछकि बौद्ध/तबिबती संगठनों** को वत्ततीय सहायता प्रदान की जाती है।
 - योजना घटक के अंतर्गत वत्तित पोषण की मात्रा एक संगठन के लिये प्रतविर्ष 30 लाख रुपए तक है, जसि असाधारण मामलों में 1 करोड़ रुपए तक बढ़ाया जा सकता है।
 - **स्टूडियो थयिटर सहति भवन नरिमाण अनुदान हेतु वत्ततीय सहायता:**
 - स्टूडियो थयिटर, ऑडिटरियम, रहिरसल हॉल आदि जैसे **सांस्कृतिक बुनयािदी ढाँचे** के नरिमाण के लिये वत्ततीय सहायता प्रदान करना।
 - **अधिकतम अनुदान:** मेट्रो शहरों में 50 लाख रुपए तक और गैर-मेट्रो शहरों में 25 लाख रुपए तक।
 - **संबद्ध सांस्कृतिक गतविधियों के लिये वत्ततीय सहायता:**
 - त्योहारों और प्रमुख आयोजनों के दौरान सांस्कृतिक गतविधियों के लिये ऑडियो-वजुअल चश्मे (Audio-Visual Spectacles) को बढ़ाने हेतु संपत्ता बिनाने में संगठनों का समर्थन करना।
 - **अधिकतम अनुदान:** ऑडियो: 1 करोड़ रुपए, ऑडियो+वीडियो: 1.50 करोड़ रुपए।
 - **अमूरत सांस्कृतिक वरिसत की सुरक्षा के लिये योजना:**
 - यह योजना भारत की अमूरत सांस्कृतिक वरिसत और वविधि सांस्कृतिक परंपराओं को पुनरोद्धार तथा प्रचार के माध्यम से **सुरक्षति रखने के लिये वर्ष 2013 में संस्कृतमंत्रालय** द्वारा शुरू की गई थी।
 - **घरेलू उत्सव और मेले:**
 - इस योजना का उद्देश्य संस्कृतमंत्रालय द्वारा आयोजति **'राष्ट्रीय संस्कृतमहोत्सव'** आयोजति करने में सहायता करना है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. भारतीय कला वरिसत का संरक्षण वर्तमान समय की आवश्यकता है। चर्चा कीजयि। (2018)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/mera-gaon,-meri-dharohar-programme>

